

## मोरछड़ी | By Surendra Jangid

मोरछड़ी बाबा मोरछड़ी  
सर पे घुमा दो मोरछड़ी  
कलयुग के अवतारी बाबा  
मेरी नैया अटकी पड़ी

कलयुग के अवतारी बाबा  
विनती मेरी सुनलो ये  
ग्यारस की बारस पर बाबा  
तेरे दर पर आऊं जी  
ऐसी कृपा करो सांवरे  
हारा हुआ जीत जाऊं जी

तेरे दर पर आकर बाबा  
सब कुछ भूल मैं जाऊं जी  
सब भक्तों की विनती सुनके  
मेरी भी बाबा सुनलो जी  
सब जगह से हार गया हूँ  
और मुझे ना हराओ जी

लखदातारी तेरी बाबा  
लाखों रोज लुटावे जी  
विपदा मुझ पर आ पड़ी है  
रास्ता मुझको दिखाओ जी  
खाटू वाले श्याम धणी थाने  
श्याम बहादुर बुलावै जी

बैलगाड़ी से चल कर बाबा  
पहुँच गए रेवाड़ी भी  
अपने भक्त की पीड़ा सुनकर  
मोरछड़ी लहराई जी  
मोरछड़ी की महिमा निराली  
श्याम बहादुर गावे जी  
मोरछड़ी बाबा मोरछड़ी.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-surendra-jangid/>